Dr. Madan Paswan - History.
Class : B.A. Part-II (Hons.) P-III
Topic : Dawes Plan...

Lecture No. 32
Date : 30.10.2020
Continue Lecture...

युद्ध के बाद लगातार कई वर्ष तक पुराने कर्जों को उतारने के स्थान पर वे अपना कर्जा बढ़ाते जा रहा रहे थे क्योंकि अमेरीका से उनके आयात, निर्यात की तुलना में कहीं अधिक थे। यह स्थिति और भी विषम बन गई थी क्योंकि अमेरीकी आर्थिक नीति निषेधात्मक टैरिफ Prohibitive Tariffs की थी जिसके कारण यूरोपीय वस्तुएं अमेरीकी मंडियों में नहीं पहुँच पा रही थी।

1929 में अमेरीका के मुद्रा बाजार में सट्टेबाजी का एक तीव्र दौर आया जिसने आम अमेरीकी महाजनों का धन आकर्षित किया और इसके परिणामस्वरूप अमेरीका के धनकुबेर भी यूरोप को ऋण देने के बजाय अपने ही देश में पूंजी लगाने लगे।

यूरोप, जो उस समय अमेरीकी ऋणों के आधार पर टिका था, सहसा आधारहीन हो गया और यूरोपीय अर्थव्यवस्था इतनी डगमगाई की अर्थव्यवस्था के अर्थशास्त्री व इतिहासकार इस आर्थिक संकट को 20वीं शताब्दी का सबसे बड़ा आर्थिक संकट मानते हैं। इस संकट के प्रभाव इतना गहरा था कि इसने सारे विश्व को प्रभावित किया और विश्व में यूरोपीय देशों के अन्य देशों के साथ परस्पर सम्बन्धों को भी प्रभावित किया। उदाहरण के तौर पर इस मंदी के काल में जापानी रेशम उद्योग भी ठप्प पड़ गया।

जापानी किसानों व छोटे व्यापारियों की दशा अपने को इतनी खराब कर लिया कि उनको राहत पहुँचाने के लिए जापानी विस्तारवादियों ने मंचूरिया (चीन प्रांत) पर जापानी नियंत्रण को और अधिक मजबूत किया।

इसी प्रकार, भारत में भी इस काल में जापानी उद्योगपतियों ने परंपरागत अंग्रेजी कब्जे को हिलाने का प्रयास किया। इस काल में जापानी कपड़े, साइकिलें, पेन इत्यादि भारतीय मंडियों में बड़ी मात्रा में पहुँचने लग गए। यह गहरा संकट लगभग 1933 ई० तक चला।

खाद्य पदार्थों तथा कच्चे माल की कीमतों में अप्रत्याशित गिरावट आई जिससे उत्पादन में धीरे-धीरे कमी आने लगी और बेरोजगारी बढ़ने लगी। F.B. Fetter and Hale नामक इतिहासकारों ने कीमतों का यूरोपीय सूचकांक तैयार किया है जो गिरती हुई कीमतों को दर्शाता है :

आधार वर्ष जनवरी 1929 = 100

Contd...

फरवरी 1929 = 104.
फरवरी 1930 = 91.
जून 1932 = 64.

अपनी अर्थव्यवस्था, कारखानों तथा कृषि को ठप्प हो जाने से बचाने के लिए अपने ही देशों के निरोधात्मक शुल्क के साथ व संरक्षणात्मक टैरिफ Protective Tariff की एक दीवार खड़ी करनी आरंभ कर दी जिसके परिणामस्वरूप अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार बिल्कुल ठप्प हो गया।